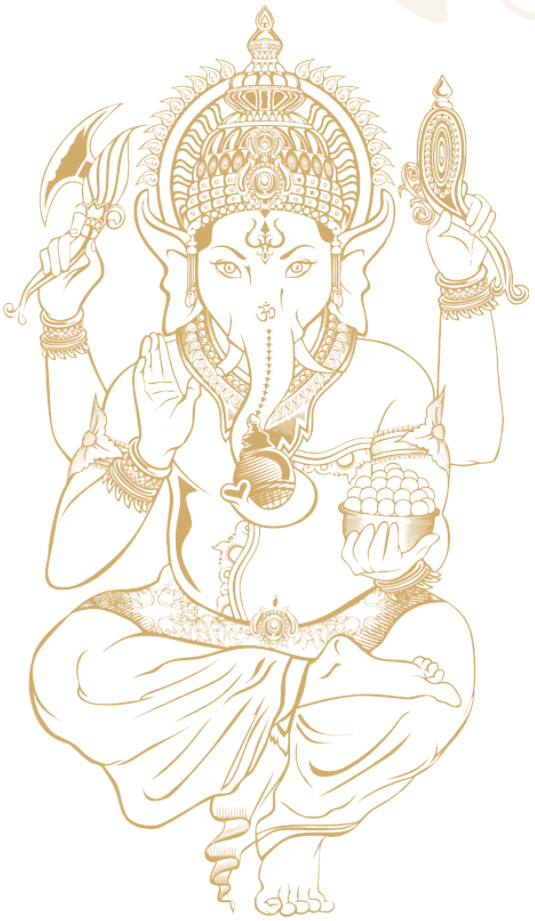

Bhavya

12 May 2009

02:32 PM

Simla

Model: web-freekundliweb

Order No: 121699604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/05/2009**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**14:32:00 घंटे**
इष्ट	22:39:34 घटी
स्थान	**Simla**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:06:00 उत्तर
रेखांश	77:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:10:40 घंटे
वेलान्तर	00:03:39 घंटे
साम्पातिक काल	05:31:44 घंटे
सूर्योदय	05:28:10 घंटे
सूर्यास्त	19:07:39 घंटे
दिनमान	13:39:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	27:47:01 मेष
लग्न के अंश	29:54:29 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सिद्ध
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	29:54:29	311:37:38	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	---
सूर्य			मेष	27:47:01	00:57:55	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	उच्च राशि
चंद्र			धनु	03:57:35	11:57:12	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
मंगल			मीन	21:14:59	00:45:49	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	मित्र राशि
बुध	व	अ	वृष	06:42:08	00:23:02	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
गुरु			कुंभ	01:14:48	00:06:05	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
शुक्र			मीन	14:50:18	00:41:16	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि	व		सिंह	20:56:21	00:00:29	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मक	08:40:48	00:06:10	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	08:40:48	00:06:10	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			मीन	01:39:23	00:02:15	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
नेप			कुंभ	02:24:32	00:00:33	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
प्लूटो	व		धनु	08:57:31	00:01:03	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			वृष	29:31:24	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:29

लग्न-चलित

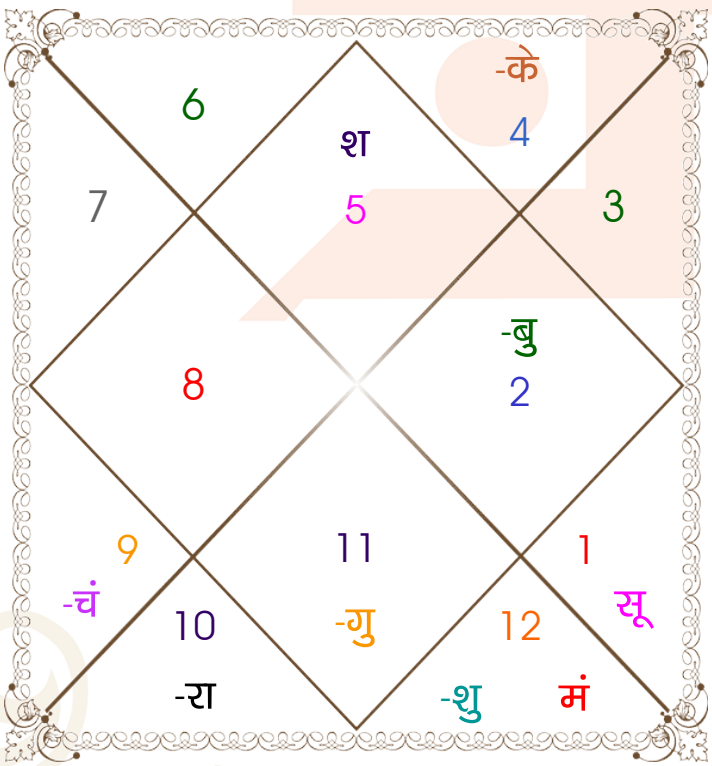

चन्द्र कुंडली

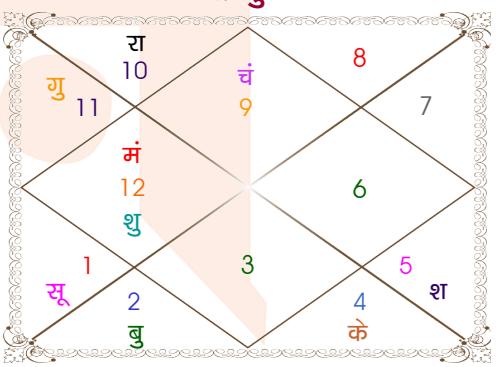

नवमांश कुंडली

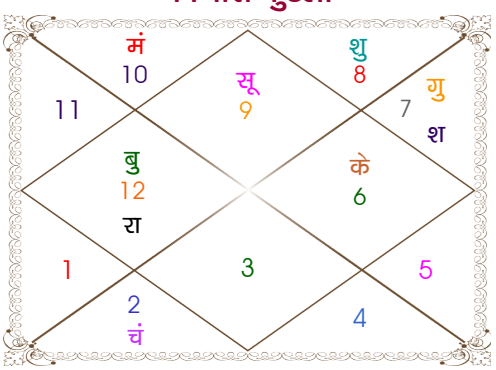

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 11 मास 1 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/05/2009		14/04/2014		14/04/2034		13/04/2040		14/04/2050	
14/04/2014		14/04/2034		13/04/2040		14/04/2050		13/04/2057	
	00/00/0000	शुक्र	13/08/2017	सूर्य	01/08/2034	चंद्र	11/02/2041	मंगल	10/09/2050
	00/00/0000	सूर्य	13/08/2018	चंद्र	31/01/2035	मंगल	12/09/2041	राहु	28/09/2051
	12/05/2009	चंद्र	13/04/2020	मंगल	08/06/2035	राहु	14/03/2043	गुरु	03/09/2052
चंद्र	16/10/2009	मंगल	13/06/2021	राहु	01/05/2036	गुरु	13/07/2044	शनि	13/10/2053
मंगल	14/03/2010	राहु	13/06/2024	गुरु	18/02/2037	शनि	12/02/2046	बुध	10/10/2054
राहु	02/04/2011	गुरु	12/02/2027	शनि	31/01/2038	बुध	14/07/2047	केतु	08/03/2055
गुरु	08/03/2012	शनि	14/04/2030	बुध	07/12/2038	केतु	12/02/2048	शुक्र	07/05/2056
शनि	16/04/2013	बुध	11/02/2033	केतु	14/04/2039	शुक्र	13/10/2049	सूर्य	12/09/2056
बुध	14/04/2014	केतु	14/04/2034	शुक्र	13/04/2040	सूर्य	14/04/2050	चंद्र	13/04/2057

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
13/04/2057		14/04/2075		14/04/2091		15/04/2110		15/04/2127	
14/04/2075		14/04/2091		15/04/2110		15/04/2127		00/00/0000	
राहु	25/12/2059	गुरु	01/06/2077	शनि	17/04/2094	बुध	10/09/2112	केतु	11/09/2127
गुरु	20/05/2062	शनि	13/12/2079	बुध	25/12/2096	केतु	07/09/2113	शुक्र	10/11/2128
शनि	26/03/2065	बुध	20/03/2082	केतु	03/02/2098	शुक्र	08/07/2116	सूर्य	18/03/2129
बुध	13/10/2067	केतु	24/02/2083	शुक्र	05/04/2101	सूर्य	15/05/2117	चंद्र	13/05/2129
केतु	31/10/2068	शुक्र	25/10/2085	सूर्य	18/03/2102	चंद्र	14/10/2118		00/00/0000
शुक्र	01/11/2071	सूर्य	13/08/2086	चंद्र	17/10/2103	मंगल	11/10/2119		00/00/0000
सूर्य	24/09/2072	चंद्र	13/12/2087	मंगल	25/11/2104	राहु	30/04/2122		00/00/0000
चंद्र	26/03/2074	मंगल	18/11/2088	राहु	02/10/2107	गुरु	05/08/2124		00/00/0000
मंगल	14/04/2075	राहु	14/04/2091	गुरु	15/04/2110	शनि	15/04/2127		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 11 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।